PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 044
दि. 13.06.2026, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सीएम योगी का गोरखपुर दौरा, ₹1200 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की मिलेगी सौगात

(जीएनएस)।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 13 और 14 जून को गोरखपुर दौरे के दौरान विकास की कई परियोजनाएं जनता को समर्पित करेंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 1200 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इनमें कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन, शहरी विकास, पेयजल और आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से शहर और ग्रामीण क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ होंगी, खेल प्रतिभाओं को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी तथा पर्यटन और शहरी विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री 13 जून को दोपहर बाद करीब चार बजे बड़हलगंज ब्लाक के महुआपार स्थित गांधी इंटर कालेज में आयोजित कार्यक्रम में राजकीय आइटीआइ कालेज सहित चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र की लगभग 300 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे।

इसके बाद 14 जून को वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कालेज में आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री 148.87 करोड़ रुपये की 39 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 799.44 करोड़ रुपये की 188 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वह जनसभा को संबोधित कर प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी भी देंगे।

दो दिवसीय दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। डीएम दीपक मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। गुरुवार को डीएम ने महुआपार पहुंचकर चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश त्रिपाठी के साथ कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पहले यह कार्यक्रम पकड़ी गांव में प्रस्तावित था, लेकिन बारिश की वजह से जलभराव हो जाने से कार्यक्रम स्थल बदल दिया गया।

14 जून को जिन 39 परियोजनाओं का लोकार्पण होगा, उनमें खेल, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और शहरी आधारभूत ढांचे से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कालेज में एस्ट्रोटर्फ हाकी मैदान के फेज-बी पैवेलियन और बहुउद्देशीय क्रीड़ा हाल के निर्माण से खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए रामगढ़ताल थाना का नया प्रशासनिक भवन, परिक्षेत्रीय साइबर थाना भवन, एसटीएफ फील्ड यूनिट भवन तथा पुलिस विभाग के आवासीय भवन तैयार किए गए हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में जिला चिकित्सालय में स्थापित पीएचएल लैब और बीआरडी मेडिकल कालेज के आडिटोरियम भवन के जीर्णोद्धार से चिकित्सा एवं शैक्षणिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। शिक्षा क्षेत्र में चरगावां आईटीआई में 50 सीटर कांफ्रेंस हाल तथा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में दो नए ट्यूबवेल स्थापित किए गए हैं। वहीं नगर निगम क्षेत्र में सीसी सड़क, आरसीसी नाली, सड़क सुदृढ़ीकरण, पार्क विकास और पर्यटन परियोजनाओं के पूर्ण होने से नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा।

पर्यटन एवं सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के क्षेत्र में प्राचीन विष्णु मंदिर पर्यटन विकास, शिव मंदिर सुंदरीकरण, विभिन्न पोखरों के विकास, टाउनहाल रेस्टोरेशन और नगर निगम के पुराने सदन हाल को संग्रहालय के रूप में विकसित करने जैसे कार्य भी लोकार्पित होंगे। इसके अतिरिक्त 300 लोगों की क्षमता वाले

बाढ़ शरणालय का निर्माण आपदा प्रबंधन की दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री 799.44 करोड़ रुपये की जिन 188 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे उनमें सड़क चौड़ीकरण, जलनिकासी, मेडिकल कालेज विस्तार, खेल सुविधाओं का विकास, नगर निगम की आधारभूत परियोजनाएं, शिक्षा संस्थानों का उन्नयन, पर्यटन विकास और पेयजल योजनाएं शामिल हैं। बीआरडी मेडिकल कालेज परिसर में चिकित्सकों और कर्मचारियों के लिए नए आवास, आधुनिक फायर फाइटिंग सिस्टम, नर्सिंग कालेज विस्तार, नया प्राइवेट वार्ड तथा जल वितरण प्रणाली जैसी परियोजनाएं स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देंगी।

वहीं नगर निगम परिसर में मल्टीपर्पज हाल, मिनी आडिटोरियम, साहित्य पार्क और गौरव संग्रहालय फेज-2 जैसी परियोजनाएं शहर के सांस्कृतिक और सामाजिक विकास को गति प्रदान करेंगी। यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पंडित राम प्रसाद बिस्मिल द्वार से जिला कारागार मार्ग तक फोरलेन चौड़ीकरण, रुस्तमपुर से मलौली बांध तक सड़क चौड़ीकरण, नंदानगर पुलिस चौकी से शमशेर गेट तक सड़क सुदृढ़ीकरण आदि कार्य शामिल हैं।

शिक्षा एवं खेल क्षेत्र में माडल कंपोजिट विद्यालय चरगांवा, राजकीय पालिटेक्निक में सेंटर आफ एक्सीलेंस, सैनिक स्कूल में आधुनिक फुटबाल एवं एथलेटिक्स स्टेडियम तथा मोटर ट्रांसपोर्ट शेड का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा निगम क्षेत्र के सैकड़ों मोहल्लों में सीसी सड़क, आरसीसी नाली, पेयजल पाइपलाइन विस्तार, नलकूप स्थापना तथा सड़क नवीनीकरण के कार्य कराए जाएंगे। इसके अलावा प्रमुख चौराहों का सुंदरीकरण, मुंशी प्रेमचंद पार्क का विरासत विकास तथा धार्मिक स्थलों के पर्यटन विकास कार्य भी प्रारंभ होंगे।

शिलान्यास वाली प्रमुख परियोजनाएं एक नजर में...

बीआरडी मेडिकल कालेज में चिकित्सकों के 40 आवास झ 49.43 करोड़ रुपये

बीआरडी मेडिकल कालेज कर्मचारियों के 100 आवास झ 49.23 करोड़ रुपये

गुलहरिया में कमर्शियल कॉम्प्लेक्स व एंटरटेनमेंट जोन झ 47.90 करोड़ रुपये

नगर निगम परिसर में मल्टीपर्पज हाल झ 34.77 करोड़ रुपये

साहित्य पार्क निर्माण झ 34.77 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री माडल कंपोजिट विद्यालय चरगावां झ 24.63 करोड़ रुपये

मोदी सरकार के 12 साल: सीएम योगी बोले- पीएम मोदी ने देश को पॉलिसी पैरालिसिस और भ्रष्टाचार के दौर से बाहर निकाला

अमेठी ,

केंद्र में मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को संबोधित किया और प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में बीते 12 साल में केंद्र की मोदी व प्रदेश सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों का प्रदर्शन किया गया। देखें, सभी अपडेट:

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को पॉलिसी पैरालिसिस और भ्रष्टाचार से बाहर निकाला। 2014 के पहले भारत आकंठ भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था। योजनाएं भ्रष्टाचार के कारण दम तोड़ देती थीं पर अब भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था में बदल चुका है।

मोदी जी के नेतृत्व के कारण ही देश को आत्मविश्वास का एहसास हुआ। यही कारण है कि देश की सेनाएं अब दुश्मनों के घर में घुसकर वार कर रही हैं। दुनिया भारत की धमक को महसूस कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया है। इसके लिए प्रदेश की जनता की तरफ से मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं और ये कामना करता हूं कि उनका नेतृत्व देश को निरंतर मिलता रहे।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लोगों की आस्था को सम्मान देने का काम किया है। पीएम मोदी राम मंदिर के शिलान्यास, लोकार्पण और ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए। ऐसा करके देश की आस्था को सम्मानित किया।

वहीं, आजादी के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और जब राष्ट्रपति ने शामिल होने की कोशिश की तो उन्हें रोकने का प्रयास किया।

सीएम योगी ने कहा कि ये पीएम मोदी की नेतृत्वक्षमता का ही प्रभाव है कि जब भी उन्होंने देश से आह्वान

किया पूरा देश एक साथ खड़ा हुआ। कोरोना की त्रासदी में पीएम मोदी के आह्वान पर एक साथ खड़ा हुआ। इसी तरह जब आजादी का अमृत महोत्सव शुरू हुआ तब भी पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा हो गया।

पीएम मोदी ने आजादी के बाद पहली बार गुलामी की मानसिकता को समाप्त करने का प्रयास किया और प्रधानमंत्री आवास का नाम बदलकर सेवातीर्थ किया और राजभवन का नाम जनभवन किया।

सीएम योगी ने प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आने का मौका दिया गया। उनकी सुरक्षा और सम्मान को पहले स्थान पर रखा गया। इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्य किया गया। सिर्फ इतना ही नहीं देश की महिलाएं कानून निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए नारी शक्ति वंदन कानून लाया गया। अब देश की महिलाएं देश के विकास के लिए कानून का निर्माण भी कर सकेंगी।

मोदी सरकार ने युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया और मुद्रा योजना का शुभारंभ किया। विश्वकर्मा योजना सहित तमाम योजनाओं के माध्यम से सशक्त करने का प्रयास किया गया।

सीएम योगी ने प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आने का मौका दिया गया। उनकी सुरक्षा और सम्मान को पहले स्थान पर रखा गया। इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्य किया गया। सिर्फ इतना ही नहीं देश की महिलाएं कानून निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए नारी शक्ति वंदन कानून लाया गया। अब देश की महिलाएं देश के विकास के लिए कानून का निर्माण भी कर सकेंगी।

मोदी सरकार ने युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया और मुद्रा योजना का शुभारंभ किया। विश्वकर्मा योजना सहित तमाम योजनाओं के माध्यम से सशक्त करने का प्रयास किया गया। मोदी सरकार ने किसानों को अपने एजेंडे में रखा और कई योजनाओं का शुभारंभ किया। प्रदेश के तीन करोड़ किसान किसान सम्मान निधि का लाभ ले रहे हैं। यूपी में अकेले गन्ना किसानों को तीन लाख 22 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। किसानों को उनकी फसल का दाम मिल रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि 12 साल में जनता ने महसूस किया कि सरकार का काम सिर्फ योजनाओं का निर्माण नहीं होता है बल्कि उनका कार्यान्वयन भी बेहद जरूरी है। पीएम मोदी पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने ये कहने का साहस किया कि देश में सिर्फ चार जातियां हैं जो कि गरीब, महिला, युवा और किसान है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। जनता को जन धन योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान योजना का लाभ मिला। करोड़ों लोगों को सरकारी आवास मिला। पीएम मोदी के नेतृत्व के कारण ही यूपी की पहचान बदली और प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने लगा।

तनाव युद्ध के बीच दुनिया के लिए एक राहत, खत्म होगा अमेरिका-ईरान युद्ध? 14 शर्तों पर बनी बात! समझौते पर दस्तखत होना अभी बाकी

(जीएनएस)।

पूरी दुनिया के लिए एक राहत भरी खबर आई है। आप चाहें तो इस खबर को पढ़ने के बाद गहरी सांस भी ले सकते हैं। दरअसल पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव और युद्ध के बीच एक बड़ी कूटनीतिक बढ़त देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध खत्म होने के दावों के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ तैयार किए गए 14-सूत्रीय समझौता मसौदे (MoU) को पब्लिक कर दिया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी मेहर के मुताबिक, यह समझौता फिलहाल दोनों देशों के बीच केवल सैद्धांतिक सहमति के स्तर पर है और अभी इस पर अंतिम साइन नहीं हुए हैं।

ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि ईरान के टॉप लीडरशिप के साथ एक महत्वपूर्ण सहमति बन चुकी है। इसके ठीक एक दिन बाद यह फारसी भाषा का दस्तावेज सार्वजनिक किया गया। इस मसौदे का मकसद युद्ध को तुरंत रोकना और ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद का समाधान निकालना है।

तो क्या खत्म होगा युद्ध?

मसौदे का सबसे अहम बिंदु पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को तत्काल प्रभाव से रोकना है। इसमें लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की बात कही गई है। इसके अलावा अमेरिका ने वादा किया है कि वह ईरान की संप्रभुता का सम्मान करेगा और उसके आंतरिक मामलों में किसी भी प्रकार का दखल नहीं देगा।

अमेरिकी सेना हटेगी, होर्मुज स्ट्रेट फिर खुलेगा

क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था के तहत अमेरिका अपने सभी सैन्य दस्तों को ईरान के पड़ोसी इलाकों से वापस बुलाने पर सहमत हुआ है। इसके बदले में ईरान ने वादा किया है कि वह अपने कानूनों के मुताबिक 30 दिनों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोल देगा।

इसके साथ ही ईरान द्वारा की गई समुद्री नाकेबंदी भी समाप्त कर दी जाएगी। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है, इसलिए इसका खुलना वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रतिबंध हटेंगे, अमेरिका देगा 300 अरब डॉलर

समझौते के तहत ईरान के तेल, पेट्रोकेमिकल और अन्य निर्यात पर लगे प्रतिबंध हटाए जाएंगे। इसके अलावा ईरान को उसकी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संपत्तियों तक फिर से पहुंच दी जाएगी। मसौदे में यह भी कहा गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को ईरान के लिए लगभग 300 अरब डॉलर की पुनर्निर्माण योजना तैयार करनी होगी। इसका उद्देश्य युद्ध और प्रतिबंधों से प्रभावित ईरानी अर्थव्यवस्था को दोबारा खड़ा करना है।

महंगे बिजली बिलों से गोवा में बवाल, आप की मांग- हर परिवार को 300 यूनिट मुफ्त बिजली

गोवा में बिजली के बढ़ते दामों और भारी-भरकम बिलों को लेकर इस समय भारी सियासी घमासान मचा हुआ है। आम आदमी पार्टी (आप) ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर हर घर के लिए 300 यूनिट तक घरेलू बिजली मुफ्त करने की मांग की है। इसी बीच, मडगांव के आक्रोशित नागरिकों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए दिग्गज भाजपा नेता और कैबिनेट मंत्री दिगंबर कामत ने खुद सक्रियता दिखाई है। उन्होंने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर बिजली विभाग के उच्च अधिकारी राजीव सामंत से मुलाकात की। इस दौरान लोगों ने हाल ही में आए अप्रत्याशित और अत्यधिक बिजली बिलों को अधिकारी के सामने रखते हुए अपनी समस्याओं से अवगत कराया। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्री दिगंबर कामत ने माना कि जनता को मिले बिजली के बिल अनुचित हैं।

प्रधानमंत्री ने श्री जसपाल राणा जी के निधन पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज श्री जसपाल राणा जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका निधन भारतीय खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने निशानेबाजी में अपनी असाधारण उपलब्धियों से देश को अपार गौरव दिलाया। प्रधानमंत्री ने बताया कि युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने और उन्हें दिशा-निर्देश देने में एक मार्गदर्शक के रूप में उनका योगदान भी उतना ही सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्कृष्टता, अनुशासन और खेल जगत के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें अपार प्रशंसा दिलाई।

जेनेवा में 114वें अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के दौरान सामाजिक न्याय समन्वय समूह की वैश्विक गठबंधन की बैठक आयोजित

(जीएनएस)।

केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे स्विट्जरलैंड के जेनेवा में आयोजित हो रहे 114वें अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं।

सुश्री शोभा करंदलाजे ने 11 जून 2026 को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में 114वें अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) के दौरान आयोजित वैश्विक सामाजिक न्याय गठबंधन (जीसीएसजे) के समन्वय समूह की बैठक में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा 2023 में स्थापित वैश्विक सामाजिक न्याय गठबंधन, बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को ठोस कार्रवाई में बदलने के लिए बनाया गया एक बहु-हितधारक मंच है। विभिन्न भागीदारों को एक साथ लाकर, यह गठबंधन बहुपक्षीय प्रणाली में सामंजस्य, समन्वय और दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस बैठक के दौरान सुश्री करंदलाजे ने आईएलओ के महानिदेशक, बांग्लादेश, मोल्दोवा, ब्राजील, स्विट्जरलैंड के श्रम मंत्रियों, बेल्जियम के उप मंत्री और अन्य विशिष्ट भागीदारों से मुलाकात की।

भारत ने आईएलओ, सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों के संगठनों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर गठबंधन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए देश की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

भारत समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को सुदृढ़ करने, जिम्मेदार व्यावसायिक कार्यप्रणालियों का समर्थन करने और न्यायसंगत एवं लचीले श्रम बाजारों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के माध्यम से गठबंधन के कार्य के अगले चरण में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए तत्पर है।

ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर क्यों दर्ज हुई? क्या है बंगाल चुनाव का वो मामला जिसमें फंस गई दीदी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति इन दिनों ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां तृणमूल कांग्रेस (TMC) को एक साथ कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ पार्टी के भीतर बगावत की खबरें लगातार सुर्खियां बना रही हैं, दूसरी तरफ पार्टी के शीर्ष नेताओं पर कानूनी और राजनीतिक दबाव भी बढ़ता दिख रहा है। इसी बीच अब टीएमसी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ ऋक्क्र दर्ज होने की खबर ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है।

2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि पार्टी पहले से ही आंतरिक संकट, विधायकों और सांसदों की नाराजगी तथा नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवालों से जूझ रही है। ऐसे में ममता बनर्जी के खिलाफ दर्ज हुई FIR ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के हेयर स्ट्रीट पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने 2026 विधानसभा चुनाव से जुड़े एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से भड़काऊ और सांप्रदायिक प्रकृति की टिप्पणियां की थीं।

इसी आधार पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की अलग-अलग धाराओं के तहत FIR दर्ज की गई है। हालांकि, मामले में आगे की जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। लेकिन इतना तय है कि चुनावी माहौल के बीच यह मामला राजनीतिक रूप से काफी संवेदनशील बन गया है।

अब नहीं चलेगी कोचिंग सेंटर्स की मनमानी! दिल्ली सरकार ला रही बड़ा कानून, फीस से सेफ्टी तक सब पर होगी नजर

दिल्ली में पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए हर साल देशभर से लाखों छात्र पहुंचते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कोचिंग संस्थानों की फीस, सुरक्षा व्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं और जवाबदेही को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। अब दिल्ली सरकार इन समस्याओं पर लगाम लगाने की तैयारी में है। राजधानी में चल रहे कोचिंग सेंटर्स के लिए एक व्यापक नियामक ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत नए नियम और दिशानिर्देश लागू किए जाएंगे।

सरकार का कहना है कि इसका मकसद कोचिंग संस्थानों को बंद करना नहीं, बल्कि छात्रों के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह माहौल सुनिश्चित करना है।

'फ्लाइट में बम है...', टिश्यू पेपर पर लिखी धमकी, लखनऊ एयरपोर्ट पर मची खलबली

(जीएनएस)।

लखनऊ से दिल्ली रवाना होने वाली इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी झूठी (हॉक्स) पाई गई. सामने आया है कि फ्लाइट लैवेटरी में हाथ से टिश्यू पर एक नोट लिखा मिला था. इस नोट में विमान में बम होनी की बात लिखी थी. इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं हैं.

सूत्रों के मुताबिक, उड़ान के टेकऑफ से ठीक पहले धमकी मिलने पर विमान को रोक दिया गया था और व्यापक सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई. इसके बाद विमान और यात्रियों के सामान की गहन तलाशी ली गई. सुरक्षा एजेंसियां धमकी की सत्यता और उसके स्रोत की जांच में जुट गई थीं.

विमान में सवार थे 180 यात्री

सामने आया है कि लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ए2111 को बम की धमकी मिलने के बाद उड़ान से ठीक पहले रोक दिया गया. यह विमान सुबह 10:45 बजे लखनऊ से दिल्ली के लिए रवाना होने वाला था और इसमें करीब 180 यात्री सवार थे, जानकारी के अनुसार, उड़ान से पहले विमान के शौचालय (लैवेटरी) में टिश्यू पेपर पर हाथ से लिखा एक नोट मिला, जिसमें विमान में बम होने का दावा किया गया था.

नोट मिलने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत सूचना दी गई, जिसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान की गहन जांच शुरू की गई. जांच के दौरान सभी यात्रियों को विमान से उतारकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया. विस्तृत तलाशी और सुरक्षा जांच के बाद बम की सूचना पूरी तरह झूठी (हॉक्स) पाई गई, हालांकि सुरक्षा प्रक्रिया के कारण फ्लाइट के डिपार्चर में देरी हुई. फिलहाल मामले की जांच जारी है और धमकी भरा नोट लिखने वाले व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं

लखनऊ में पुरनिया से कुर्सी रोड परियोजना का काम 30 जून तक होगा पूरा

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को जोन-तीन क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया, जिसकी शुरूआत पटेल नगर पार्क स्थित निमार्णाधीन कल्याण मंडप से की गई।

(जीएनएस) ।लखनऊ । नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को जोन-तीन क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया, जिसकी शुरूआत पटेल नगर पार्क स्थित निमार्णाधीन कल्याण मंडप से की गई। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कल्याण मंडप का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाए।

नगर आयुक्त ने सीएम ग्रिड परियोजना के पहले चरण के अंतर्गत

जोन-3 में संचालित कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कपूरथला चौराहे से अलकापुरी तिराहे मंदिर मार्ग तक चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए चीफ इंजीनियर सिविल को निर्देश दिए कि सभी कार्य आगामी 15 दिनों के अंदर पूरे कर लिए जाएं। नगर आयुक्त ने इसके बाद पुरनिया अलीगंज रोड से कुर्सी रोड होते हुए जनगणना निदेशालय तक विकसित की जा रही सीएम ग्रिड परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद बाधाओं एवं चुनौतियों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अवरोधों को तत्काल दूर कर 30 जून तक परियोजना का कार्य पूरा कराया जाए।

सीवर समस्या के समाधान पर जोर

निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त विंध्याचल क्रॉसिंग से बाटी चोखा रेस्टोरेंट, पप्पू स्टोर ताड़ीखाना क्षेत्र तक पहुंचे, जहां सीएम ग्रिड परियोजना के कार्य प्रगति पर हैं। मौके पर सीवर से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए उन्होंने जीएम जलकल को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने फैजुल्लागंज स्थित शिव नगर कॉलोनी के नाले का निरीक्षण किया। उन्होंने नाला सफाई कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्य की गति बढ़ाने के लिए एक अतिरिक्त मशीन लगाने के निर्देश चीफ इंजीनियर आरआर मनोज प्रभात को दिए साथ ही उन्होंने कहा कि नाले से निकाली गई सिल्ट के सूखते ही उसका तत्काल उठान

अमीनाबाद इंटर कॉलेज में 1200 सीटों पर होंगे एडिमशन, 139 साल पुराने स्कूल में पहली बार छात्राएं ले सकेंगी दाखिला

(जीएनएस)।

लखनऊ। अमीनाबाद इंटर कालेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू है। यहां लगभग 1200 सीटों पर छात्रों के साथ छात्राओं के भी दाखिले होंगे। फिलहाल कालेज में एक हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। ऐसे में बची 200 सीटों पर अगस्त तक प्रवेश लिया जा सकता है। पहली बार यहां छात्रों के साथ छात्राओं को भी पढ़ने का अवसर दिया गया है।

नगर निगम द्वारा संचालित अमीनाबाद इंटर कालेज की स्थापना 10 अक्टूबर 1887 को अमीनाबाद म्यूनिसिपल एबीसी स्कूल के रूप में हुई थी। 1947 में यह इंटरमीडियट कालेज बना। यूपी बोर्ड से संचालित इस कालेज में वर्तमान में कक्षा से छह से 12 तक पढ़ाई कराई जाती है। लगभग एक लाख वर्ग फीट में बने कालेज परिसर में 68 कमरे हैं, जिनमें से 34 कक्षाओं के रूप में उपयोग किए जाते हैं।

विद्यालय में 10 प्रयोगशालाएं भी हैं। यहां 46 शिक्षक व चार व्यावसायिक अतिथि शिक्षक हैं। इनमें

15 शिक्षिकाएं भी हैं। कालेज के प्रधानाचार्य साहब लाल मिश्र ने बताया कि यहां का परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत से अधिक रहता है। 139 साल बाद बालिकाओं को भी प्रवेश दिया जा रहा है।

कालेज में 128 सीसी कैमरे लगाए हैं। कक्षाओं के साथ ही परिसर की निगरानी भी सीसी कैमरों से की जाती है। यहां क्रिकेट, बास्केटबाल, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, शतरंज आदि खेलों के साथ ही जिम की भी व्यवस्था है। कालेज में प्रतिदिन योग प्रशिक्षक योग भी कराते हैं। पुस्तकालय और वाचनालय की भी सुविधा है।विज्ञान माडल बनाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

स्मार्ट क्लास के साथ ही स्मार्ट बोर्ड भी हैं। छात्र-छात्रओं को प्रतिदिनि निश्शुल्क अखबार पढ़ने के लिए भी दिया जाता है। इससे विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन होता है। कालेज में प्रतिदिन तीन तरह की शपथ दिलाई जाती है। इनमें समग्र जागरुकता शपथ, बालिका सुरक्षा शपथ व स्वच्छता शपथ शामिल हैं।

इन पूर्व विद्यार्थियों ने रोशन किया नाम

- नौशाद अली, संगीतकार
- तलत महमूद, गायक
- चंद्रभानु गुप्त, पूर्व मुख्यमंत्री
- बेनी प्रसाद वर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री
- एचएन तिलहरी, न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय
- राम नाथ शर्मा, न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय

राम मंदिर चढ़ावे में गबन के आरोपों पर शंकराचार्य का पहला बयान, चंपत राय पर साधा निशाना

(जीएनएस)।

अयोध्या, राम लला की जन्मभूमि पर मंदिर बनने का इंतजार वर्षों से भक्त कर रहे थे. अब जब मंदिर बन गया है तो वहां पर आने वाले दान को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है. इस मंदिर से करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं जुड़ी हैं, ऐसे में यह दान विवाद तूल पकड़ता जा रहा है. इसी बीच शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बयान से भी हलचल तेज हो गई है. विवाद के बीच स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर निशाना साधा है.

जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से सवाल किया गया कि अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों पर वह क्या कहेंगे तो जवाब में शंकराचार्य ने कहा, "अखिलेश यादव ने आरोप क्या लगाया, यह बात तो वहीं से निकल कर आई है न. वहां तो लगातार ही चोरी हो रही है. आज पहली बार थोड़े ही हुई है. मंदिर का जब शिलान्यास हुआ था, तबसे ही ये सब चल रहा है. कितने आरोप लग चुके हैं कि शिला पूजन में चोरियां हुईं, फिर राम जन्मभूमि पर मंदिर बनने लगा तो प्लॉट बिकने लगे. दो-दो मिनट में प्लॉट की कीमत करोड़ों में हो जाती थी. अब यह वाली चोरी. वहां तो पहले से चल रहा है."

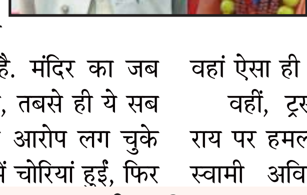

यूपी में धर्मांतरण रोकने के लिए सभी मेडिकल कॉलेजों में बनेगी विशेष सेल, राज्यपाल ने दिए आदेश

'जहां चंपत बैठे हैं, वहां ऐसा ही होगा'

वहीं, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर हमला बोलते हुए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, "जब वहां चंपत राय बैठे हैं... चंपत का मतलब जानते हैं? चंप धातु से ही चंपत शब्द बना है. चंप का मतलब ही होता है लेकर भाग जाना. चंपत हो जाना. जब वहां पहले ही चंपत राय को बैठा दिए तो आपको समझ जाना चाहिए कि क्या होने वाला है."

राम मंदिर दान विवाद में जांच की मांग

इसी के साथ सभी साधु-संत दान में कथित अनियमितता को लेकर जांच की मांग कर रहे हैं. इससे पहले महंत कमल नयन दास ने कहा कि अगर किसी प्रकार की अनियमितता सामने आई है तो उसकी जांच होनी चाहिए, लेकिन जांच प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए. ऐसी जांच होनी चाहिए जिस पर सभी पक्षों को भरोसा हो.

यूपी चुनावः सपा-कांग्रेस के बाद अब इखढ में सीट शेयरिंग की बात शुरू, ओपी राजभर ने दे दिए ये संकेत

गौरतलब है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद इस वर्ष माघ मेले में विवाद के बाद से ही राज्य की योगी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं. कई मौकों पर उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना की है. इतना ही नहीं राम मंदिर के शिलान्यास से लेकर लोकार्पण तक के फैसलों पर उन्होंने आलोचना की है.

यूपीः दो विशाल रैलियों से बसपा फूकेंगी 2026 का चुनावी बिगुल, अयोध्या में रैली करने के पीछे क्या है वजह?

(जीएनएस)।

बहुजन समाज पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जमीन तैयार करने की कवायद में जुट गई है। पार्टी द्वारा आगामी 22 और 23 जून को दो बड़ी जनसभाएं अयोध्या और अकबरपुर में आयोजित करने की तैयारी है। इन जनसभाओं को पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल संबोधित करेंगे। बता दें कि बसपा ने जून माह में चुनावी तैयारियों को शुरू करने की योजना बनाई थी, जिसके तहत इन जनसभाओं का कार्यक्रम बनाया गया है।

पार्टी सूत्रों की मानें तो दोनों जनसभाओं में पार्टी के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। साथ ही पार्टी ने जिन सीटों पर अपने प्रभारी बनाए है, उन्हें बतौर प्रत्याशी मंच पर उपस्थित रहने का अवसर दिया जाएगा। वहीं दूसरे दलों के कुछ नेताओं को भी बसपा में शामिल कराने की तैयारी है, जिनमें हाल ही में सपा में जाने वाले एक पूर्व सांसद भी शामिल हैं।

बसपा प्रदेश अध्यक्ष की इन दोनों जिलों में अच्छी पकड़ है। अयोध्या में रैली करने की कई वजहों में एक प्रमुख वजह यह भी है। उन्होंने बीते कुछ माह के दौरान दोनों जिलों में कई बड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए थे जिसमें हजारों लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गई थी।

अंतरजनपदीय वॉलीबॉल लखनऊ ने सीतापुर को सीधे सेटों में हराया

(जीएनएस)।

सुल्तानपुर। पुलिस लाइन मैदान में शुक्रवार को तीन दिवसीय 27 वीं अंतरजनपदीय (लखनऊ जोन) वॉलीबॉल (पुरुष- महिला) और सेपक टकरा प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। मेजबान जिले की पुलिस की ओर से आयोजित इस जोनल प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में वॉलीबॉल में लखनऊ ने शानदार प्रदर्शन कर सीतापुर को सीधे सेटों में 2-0 से पराजित कर विजयी शुरूआत की। जीती, बम्हौर ने फाइनल में बनाई जगह

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने किया। पुलिस अधीक्षक एवं आयोजन सचिव चारू निगम ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के वार्षिक

कैलेंडर के तहत आयोजित इस प्रतियोगिता में लखनऊ जोन के नौ जिलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। करीब 110 खिलाड़ी तीन दिनों तक अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

लखनऊ की टीम ने सीतापुर पर शुरू से दबदबा बनाए रखा। दूसरे मैच में अयोध्या ने रोमांचक संघर्ष के बाद अंबेडकरनगर को 2-1 से हराया। तीसरे मुकाबले में हरदोई ने रायबरेली को 2-1 से शिकस्त दी, जबकि दिन के चौथे मैच में अयोध्या ने सीतापुर को 2-0 से पराजित किया। पहले दिन लीग चरण के मुकाबले खेले गए।

पुलिस लाइन मैदान के साथ पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में कोर्ट तैयार किए गए हैं। मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका यूपी पुलिस के कोच धनंजय राय, सर्वेश सिंह, पंकज दुबे, रामजीत, प्रियेश राय, विकास सिंह और स्टेडियम कोच प्रदीप यादव ने निभाई। प्रतियोगिता का समापन रविवार को होगा। उद्घाटन समारोह में आरआई राजेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक वृज नारायण सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन रामकृष्ण चतुवेर्दी, मुनेंद्र मिश्रा सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं खिलाड़ी मौजूद रहे।

केजीएमयू में भर्ती विचाराधीन बंदी पुलिस अभिरक्षा से भागा

(जीएनएस)।

लखनऊ। केजीएमयू के गांधी वार्ड में भर्ती विचाराधीन बंदी हैदर अली बेग (39) शुक्रवार सुबह पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला। आरोपी बंदी और उसकी निगरानी में तैनात दोनों सिपाहियों के खिलाफ चौक कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है।

एडीसीपी पश्चिमी धनंजय कुशवाहा के अनुसार, ओडिशा के बालेश्वर जिले के चांदीपुर निवासी हैदर अली सात जनवरी 2025 से जिला जेल में बंद था। उसे खून की उल्टी और रक्तस्राव की शिकायत के

कारण 31 मई को जेल अस्पताल फिर बलरामपुर अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालत बिगड़ने पर चार जून को केजीएमयू में शिफ्ट किया गया। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे बंदी रक्षक नागेश चंद्र सरोज ने उसके गायब होने की सूचना दी।

बंदी की निगरानी में हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार और धर्मेंद्र सिंह तैनात थे। वे सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक ड्यूटी पर थे। हैदर के भागने के बाद पुलिसकर्मियों ने उच्चाधिकारियों को तुरंत सूचना नहीं दी। वे खुद कई घंटों तक उसकी तलाश करते रहे। एडीसीपी ने बताया कि आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फर्जी सैन्य अधिकारी बनकर यौन शोषण का था आरोप

हैदर अली पर फर्जी सैन्य अधिकारी बनकर सरोजनीनगर की महिला के यौन शोषण का आरोप है। उसने शादी का झांसा देकर साढ़े चार लाख रुपये के जेवर भी हड़पे थे। इस मामले में सरोजनीनगर थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उसे छह जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी हैदर अली हैदराबाद और बेंगलुरु में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था।

हत्याकांड के चार आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

(जीएनएस)।

रायबरेली। रायबरेली सत्र न्यायालय ने ललित तिवारी हत्याकांड के चार आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। आरोपी अंकित, योगेन्द्र कुमार, पिंकी और पंकज ने धारा 108 के तहत दर्ज मामले में जमानत मांगी थी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार याची अमरदीप सिंह उर्फ पिंकू ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने उनके पुत्र ललित तिवारी को प्रेम-प्रसंग के चलते बुलाया था और उसके बाद पीटने के बाद हत्या कर शव को लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर पेड़ पर लटका दिया था। यह घटना 14 मई 2026 की रात में हुई थी। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपी निर्दोष हैं और उन्हें झूठा फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि ललित तिवारी पिंकी से शादी करना चाहा था, लेकिन परिवार के विरोध के कारण उसने आत्महत्या कर ली। बचाव पक्ष ने यह भी दावा किया कि पिंकी की शादी घटना वाले दिन ही कहीं और हो रही थी। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं।

न्यायालय ने मामला डायरी और अभियोजन प्रपत्रों का अवलोकन किया। आत्महत्या नोट में ललित को पंकज और पिंकी द्वारा अपने चाचा के लड़के गोलू व अंकित से मरवाने का जिक्र था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर गला दबाने से दम घुटने और अन्य चोटों की पुष्टि हुई। इन तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए न्यायालय ने जमानत देने के पर्याप्त आधार नहीं पाए। साथ ही जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

अयोध्या में आयोजित होगा 'कलर्स ऑफ अयोध्या', 9 राज्यों के दिग्गज कलाकार उकेरेंगे शहर की सांस्कृतिक पहचान

अयोध्या में 15 से 19 जून तक 'कलर्स ऑफ अयोध्या' अखिल भारतीय कलाकार शिविर आयोजित किया जा रहा है।

(जीएनएस)।

अयोध्या। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कुछ नगर केवल भौगोलिक स्थान नहीं होते, वे समय, स्मृति और सभ्यता के जीवंत प्रतीक बन जाते हैं। अयोध्या ऐसा ही एक नगर है, जिसकी पहचान केवल एक धार्मिक तीर्थ के रूप में सीमित नहीं है। यह भारतीय संस्कृति, दर्शन, साहित्य, लोक परंपराओं और मानवीय मूल्यों की धरोहर है।

इसी उद्देश्य से कला दीर्घा, अंतरराष्ट्रीय दृश्यकला पत्रिका तथा जेबीएनएस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 15 से 19 जून आल इंडिया आर्टिस्ट कैंप ह्यकलर्स ऑफ

अयोध्याह्व का आयोजन किया जा रहा है। सोसाइटी की निदेशक व इस कैंप की संरक्षक मंजुला झुनझुनवाला ने बताया कि यह आयोजन जेबीएनएसएस परिसर में ही होगा।

अयोध्या के पास है अपार सांस्कृतिक पूंजी

उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक कला शिविर नहीं, बल्कि अयोध्या की सांस्कृतिक आत्मा को समकालीन भारतीय कला के माध्यम से देखने, समझने और अभिव्यक्त करने का एक महत्त्वाकांक्षी प्रयास है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भी कला और संस्कृति की ऐसी गतिविधियों का विकास आवश्यक है जो इस नगर की बहुआयामी पहचान को नए संदर्भों में स्थापित कर सकें।

कलर्स ऑफ अयोध्या इसी दिशा में एक दूरगामी पहल है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का यह समय केवल भौतिक विकास तक सीमित नहीं रहना चाहिए। किसी भी नगर की वास्तविक पहचान उसकी सांस्कृतिक सक्रियता से निर्मित होती है।

अयोध्या के पास अपार सांस्कृतिक पूंजी है। आवश्यकता इस बात की है कि उसे समकालीन अभिव्यक्तियों से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं अयोध्या कला, साहित्य और संस्कृति के राष्ट्रीय विमर्श में भी उतनी ही प्रमुखता से उपस्थित हो, जितनी वह आध्यात्मिक जगत में है।

होंगी दो हेरिटेज वॉक

शिविर के क्यूरेटर डॉ. अवधेश मिश्र के कहा कि कलर्स ऑफ अयोध्या वास्तव में भारत की विविध सांस्कृतिक सुवासों से सजा हुआ एक ऐसा गुलदस्ता है, जिसमें विभिन्न प्रदेशों की कलात्मक परंपराएं एक साथ उपस्थित होंगी। शिविर में नौ राज्यों के 10 प्रतिष्ठित कलाकार भाग ले रहे हैं। इनमें बिहार से पद्मश्री श्याम शर्मा, महाराष्ट्र से रामचंद्र खरटमल और डगलस जान, हरियाणा से डॉ. राम विरंजन, गुजरात से कनु पटेल, तेलंगाना से अर्पिता रेड्डी, मध्य प्रदेश से तृप्ति जोशी, पश्चिम बंगाल से सुकांता दास, ओडिशा से मानस रंजन जेना तथा उत्तर प्रदेश से शिविर के क्यूरेटर डॉ. अवधेश मिश्र शामिल हैं।

शिविर की कोआर्डिनेटर एवं जिंगल बेल अकादमी की प्रधानाचार्य डॉ. दिव्या शुक्ला ने बताया कि कलाकारों को अयोध्या से परिचित कराने के लिए दो हेरिटेज वॉक भी कराई जाएगी, जिसमें पहली अयोध्या तो दूसरी फैजाबाद शहर की होगी।

कलाकार अयोध्या के प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। उन्होंने बताया कि सुप्रसिद्ध चित्रकारों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां हमारी धरोहर है, यह क्रय विक्रय के लिए उपलब्ध नहीं होंगी।

सीतापुर : मुफ्त इलेक्ट्रिक चाक मशीन के लिए 20 जून तक करें आवेदन, माटीकला बोर्ड का सुनहरा मौका

(जीएनएस)।

सीतापुर में माटीकला बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुफ्त बिजली चालित चाक मशीन वितरण योजना शुरू की गई है। सीतापुर। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी आरएस पाल ने बताया कि माटीकला बोर्ड के तहत माटीकला निश्शुल्क टूल-किट्स (बिजली चालित चाक मशीन) वितरण योजना संचालित है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में चाक मशीन का निश्शुल्क वितरण किया जाना है। इसके लिए आनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

आनलाइन आवेदन माटीकला बोर्ड से संचालित पोर्टल https://upmatikalaboard.in पर करना होगा। लाभार्थियों का चयन शासनादेश के तहत गठित समिति द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा।

चयनित उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से बिजली चालित चाक मशीन प्रदान की जानी है। इच्छुक पुरुष व महिला माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित पोर्टल पर 20 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

इसके बाद आवेदन की हार्ड कापी विकास भवन स्थित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन के विषय में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

ईरान युद्ध से बाहर निकलने के लिए बेताब ट्रंप

भारत में एक कहावत है विनाश काले विपरीत बुद्धि यानी जब आप पर विपत्ति आती है तो आपकी सबसे पहले बुद्धि भ्रष्ट होती है। यही हाल है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उसके रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का। पीट हेगसेथ ने ताजा बयान दिया है जिससे लगता है कि ट्रंप का अगला निशाना क्यूबा है। पीट हेगसेथ ने हाल ही में गुआंतानामो बे का दौरा किया और क्यूबा को कई शब्दों में चेतावनी दी। हेगसेथ ने क्यूबा को स्पष्ट किया कि अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह की धमकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने साफ किया कि ईरान के बाद या साथ-साथ क्यूबा भी ट्रंप के निशाने पर है। लगता है कि ट्रंप अपने पड़ोसी देश क्यूबा के खिलाफ जंग छेड़ने के मूड में है। जबकि ईरान युद्ध में बुरी तरह पंसे हुए हैं और बाहर निकलने के लिए बेताब हैं और अब क्यूबा को कब्जाने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने क्यूबा की एनजी सप्लाई काटने के बाद अब एयरव्राफ्ट वैरियर यूएसएस निमित्ज को पूरे वैरियर ग्रुप के साथ तैनात कर दिया है। यह तैनाती ठीक उसी तरह की है जिस तरह उन्होंने वेनेजुअला पर हमला करने से पहले वहां के राष्ट्रपति निकोलास मादुरो को हटाने के लिए चारों और तैनात किया था। क्यूबा पर हमले की तैनाती में अमेरिका ने क्यूबा के 94 वषीय पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर हत्या का आरोप भी लगाया है। इसके बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि अमेरिका की तख्ता पलट सूची में अगला नाम क्यूबा का हो सकता है। अमेरिका की मैक्सिमम प्रैशर की वजह से क्यूबा में दशकों का सबसे बड़ा ईंधन और बिजली संकट पैदा हो गया है। इसी बीच ट्रंप और उनके अधिकारी लगातार यह कह रहे हैं कि 66 साल से सत्ता में मौजूद कम्युनिस्ट सरकार का अंत होना चाहिए। व्हाइट हाउस ने यह भी चेतावनी दी है कि वह अमेरिका के तट से सिर्प 144 किलोमीटर किसी दागी राष्ट्र को बर्दाश्त नहीं करेगा। अब ये चर्चा है कि राउल कास्त्रो को कोई सैन्य अभियान चलाकर मादुरो की तरह गिरफ्तार करके अमेरिका लाया जा सकता है। उन्हें अमेरिका लाकर उन पर मुकदमा चला सकता है। इस साल की शुरूआत में एक कायंर्कारी आदेश में ट्रंप ने दावा किया था कि क्यूबा में रूस का सबसे बड़ा विदेशी जासूसी वेंद्र मौजूद है।

बिडेन प्रशासन ने चीन पर भी आरोप लगाया था कि उसने अमेरिका के तटों से सिर्प 90 मील दूर स्थित इन कम्युनिस्ट द्वीप पर जासूसी वेंद्र खोल रखा है। यही नहीं ट्रंप प्रशासन ने करीब 30 साल पुराने एक मामले को अचानक जिंदा करके क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर गंभीर आरोप लगा दिया। असल में 1996 में समुद्र में पंसे लोगों और क्यूबा से भागकर अमेरिका आने वाले शरणार्थियों की मदद करने वाला एक संगठन छोटे नागरिक विमानों के जरिए रेस्क्यू मिशन चला रहा था। उसके दो नागरिक विमानों को क्यूबा के सैन्य विमानों ने मार गिरया। इसमें चार अमेरिकी नागरिकों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद दोनों देशों के रिश्तों में और ज्यादा तनाव बढ़ गया था। अब तीन दशक बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पूर्व क्यूबाई राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर हत्या, साजिश रचने और विमान गिराने से जुड़े आरोप लगाए हैं। राउल कास्त्रो क्यूबा की राजनीति के सबसे ताकतवर चेहरों में से एक हैं। उन्होंने अपने भाई फिदल कास्त्रो के बाद देश की राजनीति संभाली थी। अब सवाल है कि आखिर 30 साल बाद अमेरिका इस मामले को क्यों उठाना चाहता है?

लखनऊ में 'पावर कट' का तोड़ बनी 'सौर ऊर्जा'; एक महीने में रिकॉर्ड 9500+ परिवारों ने छतों पर लगाया सोलर प्लांट

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी इस समय दोहरी मार झेल रही है. एक तरफ आसमान से बरसती आग और दूसरी तरफ बेपटरी हुई बिजली सप्लाई, लेकिन इस संकट के बीच लखनऊ के लोगों ने एक ऐसा रास्ता ढूंढ निकाला है जिसने इतिहास रच दिया है. महज एक माह के अंदर शहर के रिकॉर्ड 9,560 परिवारों ने पारंपरिक बिजली को अलविदा कहकर सौर ऊर्जा को अपना लिया.

लखनऊ के इतिहास में पहली बार किसी एक माह में इतनी बड़ी संख्या में सोलर पैनल इंस्टॉल किए गए हैं. इसके साथ ही लखनऊ में सोलर उपभोक्ताओं का आंकड़ा एक लाख के पार कर गया है, जो यह साबित करता है कि अब लखनऊ 'पावर कट' के भरोसे नहीं, बल्कि सूरज की रोशनी से रोशन हो रहा है.

लखनऊ में सोलर क्रांति!

लखनऊ देश का पहला जिला बन गया है, जिसने पीएम सूर्यघर योजना के तहत एक लाख से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया है. यहां पर लगातार सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया में तेजी आ रही है. देखिए संवाददाता अखिलेश्वर पांडेय की खास रिपोर्ट...

"प्रदेश में अब तक लगे पांच लाख 60 हजार से अधिक सोलर पैनल" : यूपीनेडा के अधिकारियों के मुताबिक, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में अब तक 9.91 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं. इन आवेदनों के एवज में लगभग पांच लाख 60 हजार से ज्यादा रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं. इन संयंत्रों से उत्तर प्रदेश के 5.64 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं. उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने पीएम सूर्य घर के तहत योजना की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और पारदर्शी क्रियान्वयन तय किया है.

छतों पर लगाये गये सोलर प्लांट

छतों पर लगाये गये सोलर प्लांट (ढँङ्ग३ङ्क्ष् १ेिंइ: एळश ईँ१३)

"यूपी में डेवलप हुई 1900 मेगावाट रूफटॉप सौर क्षमता" : यूपी में लगभग 1900 मेगावाट रूफटॉप सौर क्षमता डेवलप की जा चुकी है. लाभार्थियों को अब तक 3,602 करोड़ रुपये से अधिक की केंद्रीय सब्सिडी और 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा चुकी है. वर्तमान में उत्तर प्रदेश में रोजाना करीब 2,000 रूफटॉप सोलर पैनल इंस्टॉल किए जा रहे हैं. 6,000 से अधिक पंजीकृत वेंडरों के साथ उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में अग्रिम पंक्ति में खड़ा है.

"36 से 40 करोड़ रुपये तक पहुंचा कारोबार" : उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र का कारोबार बढ़कर रोजाना 36 करोड़ से 40 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है. इस योजना से अब तक 70 हजार से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं. उनका कहना है कि 9,200 सरकारी भवनों पर 247 मेगावाट, जल जीवन मिशन के अंतर्गत लगभग 900 मेगावाट और 691 वाणिज्यिक और औद्योगिक भवनों पर 220 मेगावाट सौर क्षमता स्थापित की जा चुकी है.

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया

भारी भरकम बिजली बिल और गर्मी में भीषण बिजली कटौती से तंग आकर लखनऊ में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपने घर पर सोलर पैनल लगवाए हैं. इससे उन्हें बड़ी राहत मिली है. 'ईटीवी भारत'' ने ऐसे उपभोक्ताओं से बात कर पूछा कि आपने वर्षों बाद अचानक मई के इस महीने में ही सोलर पैनल लगवाने का फैसला क्यों किया? पहले के बिजली बिल और अब सोलर लगने के बाद की स्थिति में क्या अंतर महसूस हो रहा है? भीषण गर्मी में आपके घर के उपकरण कैसे चल रहे हैं?

"पहले आता था 6000, अब आ रहा सिर्फ 1400 बिल" : जानकीपुरम

निवासी उपभोक्ता विनोद अवस्थी का कहना है कि दिन में दो या तीन बार हर रोज बिजली कटती है तो बहुत परेशानी हो रही थी. यही सोच कर मैंने सोलर पैनल लगवाया. सोलर पैनल लगवाने के बाद बड़ी राहत मिली है. उनका दावा है कि पहले ₹6000 तक बिल आता था, अब इस महीने सिर्फ ₹1400 बिल आया है तो बड़ा अच्छा लग रहा है कि बिल बहुत कम हो गया है. घर में दो एसी चलते हैं, पंखे चल रहे हैं. फ्रिज भी दो चल रहे हैं. वाशिंग मशीन भी चलती रहती है. अब कोई दिक्कत नहीं होती. अब बिजली की कोई समस्या नहीं. सर्दी में करीब 300 रुपये के आस-पास ही बिल आएगा.

"सोलर पैनल लगवाने से अब बेफिक्र हो गए" : आईआईएम रोड निवासी उपभोक्ता अखिलेश का कहना है कि सोलर पैनल लगाने से हमारा बिजली खर्च बहुत कम हो गया. हमारा बिजली बिल 2000 से 2200 रुपये तक आता था, अब सोलर पैनल लगवा लिया है तो अब बिजली की कोई फिक्र ही नहीं करनी पड़ती है. अब आराम से हम कूलर एसी चलाते हैं, लेकिन बिजली बिल की परवाह नहीं होती है. अब लखनऊ में ज्यादातर घरों में लोग सोलर पैनल लगवा ले रहे हैं और क्यों न लगवाएं जब बिजली बिल काफी कम देना पड़ता है. सुविधाएं भी खूब मिलती हैं, इसलिए सभी लोग अपने यहां सोलर पैनल लगवा रहे हैं.

आइये जानते हैं क्या कहते हैं डीलर?

सोलर पैनल लगाने वाले डीलर ज्ञानेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि मई माह में लखनऊ में हजारों की संख्या में लोगों ने सोलर पैनल लगवाए हैं. मेरे यहां रोजाना ही कम से कम पांच से 10 इंक्वारी सोलर पैनल लगवाने की हो रही है. उनका कहना है कि मई माह में पूरे लखनऊ के डीलरों के पास जो पैनल के डिस्ट्रीब्यूटर थे उनके पास पैनल की कमी पड़ गई. मजदूरों की कमी पड़ गई. लोगों की तीन-तीन साइट चल रही हैं और स्टॉलर मिल ही नहीं रहे.

उन्होंने बताया कि मई माह में आलम ये हुआ कि लोगों ने अलग-अलग कंपनियों के सोलर लगवाए. लोग सबसे ज्यादा तीन किलोवाट का सोलर अपने घर पर लगवा रहे हैं. यूपीनेडा के मुताबिक, एक लाख 80 हजार रुपये तक का खर्च आता है. कोई एक लाख 70 हजार रुपये में भी लगा देता है तो कोई एक लाख 60 हजार रुपये में भी लोग अपना कमीशन काट कर कम पर लगा देते हैं.

ऐसे करें आवेदन

उन्होंने बताया कि तीन किलोवाट पर 78 हजार सेंट्रल गवर्नमेंट से और 30 हजार रुपये स्टेट गवर्नमेंट की तरफ से सब्सिडी के रूप में उपभोक्ता को मिलते हैं. उनका कहना है कि सोलर पैनल लगवाने की प्रक्रिया की बात करें तो कई प्रोसेस होते हैं. पहले हम उपभोक्ता का बिजली का बिल देखते हैं. कितना लोड स्वीकृत है. अगर तीन किलो वाट स्वीकृत है तो तीन किलो वाट की प्रक्रिया पूरी करते हैं. आधार, पैन कार्ड और बिजली का बिल लेकर लोन की प्रक्रिया पूरी करते हैं.

उन्होंने बताया कि अगर कैश पर लेना है तो फिर वह प्रक्रिया शुरू करते हैं. लोन के लिए फाइल बैंक को जाती है. बैंक सर्वे करता है. अगर उपभोक्ता का सिविल अच्छा होता है तो लोन स्वीकृत हो जाता है और एजेंसी को बता दिया जाता है. इसके बाद इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया शुरू होती है. बिजली विभाग की टीम जाती है वह सर्वे करती है. अगर स्मार्ट मीटर लगा होता है तो दो से तीन दिन में काम हो जाता है.

उन्होंने बताया कि अगर स्मार्ट मीटर नहीं होता है तो थोड़ा समय लगता है. अब तो सभी घरों में स्मार्ट मीटर ही है तो सोलर जल्दी लग जाता है. अगर उपभोक्ता के सभी दस्तावेज पूरे हैं और कैश पेमेंट कर रहा है तो हम एक दिन में ही लगा सकते हैं. एक दिन में लग जाता है लेकिन, शुरू होने में सप्ताह तक का समय लग जाता है. अगर लोन कराता है तो लगभग 10 से 15 दिन के अंदर प्रक्रिया पूरी हो जाती है. लखनऊ में सब कुछ सही चल रहा है.

छतों पर लगे सोलर

"उत्तर प्रदेश का बहुत ही अच्छा प्रदर्शन रहा" : उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA) के डायरेक्टर रविंद्र कुमार का कहना है कि सौर ऊर्जा के एडॉप्शन को बढ़ाने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं. इसमें पीएम सूर्यघर योजना की बात करें तो इसमें हाल ही में उत्तर प्रदेश का बहुत ही अच्छा प्रदर्शन रहा है.

"1900 मेगावाट से ज्यादा की इंस्टॉलेशन कैपेसिटी..." : उन्होंने बताया कि मई माह में सौर ऊर्जा माह मनाया गया था. इसके तहत कंपटीशन हुआ था, जिसमें इंस्टॉलेशन की संख्या की बात करें तो उत्तर प्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर आया था. पीएम सूर्य घर योजना के तहत अब तक हम 5,65,000 घरों को रूफटॉप सोलर पैनल से लैस कर चुके हैं, जिससे 1900 मेगावाट से ज्यादा की इंस्टॉलेशन कैपेसिटी हमने अचीव की है.

सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया

उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि इस वित्तीय वर्ष में इंस्टॉलेशन कैपेसिटी को हम डबल कर सकें. हम अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता फैला रहे हैं. विभिन्न हितधारक हैं उनके साथ बैठक कर रहे हैं. उनकी समस्या के समाधान की कोशिश कर रहे हैं. जिस प्रकार से अलग-अलग जनपदों ने हमारे प्रदेश में सोलर पैनल लगवाने में रुचि दिखाई है, हमें पूरा यकीन है इस लक्ष्य की हम प्राप्ति कर लेंगे. हाल ही में लखनऊ पूरे देश में एक लाख से अधिक रूफटॉप सोलर पैनल लगाने वाला जनपद बना है, यह हमारे लिए खुशी की बात है.

आइये जानते हैं क्या कहते हैं ऊर्जा मंत्री?

सवाल : एक महीने में 9,560 नए कनेक्शन आना अभूतपूर्व है. विभाग ने इतनी भारी मांग को इतनी जल्दी कैसे पूरा किया? सप्लाई चेन की क्या स्थिति रही?

"6000 से ज्यादा वेंडर कार्यरत" : इस सवाल पर उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा का कहना है कि लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश में अब 6000 से ज्यादा वेंडर कार्यरत हैं. सोलर पैनल की कोई कमी नहीं है. सही समय पर वेंडर्स को कई कंपनियों के सोलर पैनल उपलब्ध हो रहे हैं, इसलिए डिमांड चाहे जितनी आ जाए लेकिन, सप्लाई चेन नहीं टूट सकती.

छतों पर लगे सोलर

छतों पर लगे सोलर (ढँङ्ग३ङ्क्ष् १ेिंइ: एळश ईँ१३)

सवाल : लखनऊ में सोलर प्लांट की संख्या एक लाख पार होने से मुख्य ग्रिड (टश्ठछ) पर लोड कितना कम हुआ है? क्या इससे बिजली कटौती में कोई सुधार देखने को मिलेगा?

इस सवाल पर उनका कहना है कि निश्चित तौर पर लखनऊ में बड़ी संख्या में लोग सोलर पैनल लगवा रहे हैं. यही कारण है कि देश में लखनऊ जिला सोलर पैनल लगवाने के मामले में नंबर एक पर आया है. जहां तक ग्रिड पर लोड कम होने की बात है तो इसका असर जरूर पड़ा है.

"उपभोक्ताओं को मिल रही 24 घंटे बिजली" : उन्होंने कहा कि लखनऊ की बिजली डिमांड इसीलिए पूरी हो पा रही है. उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली मिल रही है. आवेदकों के लिए सब्सिडी की व्यवस्था है इसलिए लोग बढ़-चढ़कर सोलर पैनल लगवा रहे हैं, जिससे उन्हें हर माह के बिजली बिल से छुटकारा मिल सके. उपभोक्ताओं के खातों में सब्सिडी उनके सभी दस्तावेज पूर्ण होने पर हरहाल में 30 दिन के अंदर आ जाती है, इसमें देरी नहीं होती है.

'मई महीने की ऐतिहासिक छलांग'

23 अप्रैल 2026 (91,003 प्लांट) बनाम 25 मई 2026 (1,00,563 प्लांट) (लखनऊ).

विश्व कप के पहले मैच में बोस्निया-हजेगीविना के खिलाफ कनाडा को 1-1 से ड्रॉ दिलाने में साइल लारिन ने देर से गोल किया।

(जीएनएस)।

कनाडा ने सात मैचों में अपना पहला विश्व कप अंक हासिल किया, बोस्निया-हजेगीविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। टोरंटो में हुए इस मैच में 78वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी साइल लरीन ने देर से बराबरी का गोल किया। लाल रंग के कपड़े पहने और मेपल लीफ के झंडे लहरा रहे कनाडाई प्रशंसकों ने टीम को ऊर्जावान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टोरंटो के सीएन टॉवर के नीचे खेल रहे कनाडा को तब एक शुरूआती झटका लगा जब 21वें मिनट में जोवो ल्यूकिक ने बोस्निया-हजेगीविना के लिए गोल कर दिया। घायल खिलाड़ियों एडिन जेको और हारिस तबकोविच की जगह ले रहे ल्यूकिक ने कॉर्नर किक का फायदा उठाकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया।

साइल लरीन, जो आमतौर पर शुरूआत करते हैं लेकिन खेल में देर तक बेंच पर थे, मैदान में उतरने के कुछ ही देर बाद बराबरी का गोल कर दिया। लरीन ने घरेलू मैदान पर गोल करके खुशी व्यक्त की और एक जीवंत माहौल में प्रशंसकों के साथ जश्न मनाया।

कोचों की प्रतिक्रियाएं

कनाडा के कोच जेसी मार्स ने प्रशंसकों की ऊर्जा की प्रशंसा की और कॉनर मैकडविड, रायन रेनॉल्ड्स और माइक मायर्स जैसी हस्तियों की उपस्थिति का उल्लेख किया। मार्स ने जीत सुनिश्चित करने के लिए भविष्य के मैचों में मजबूत शुरूआत की आवश्यकता पर जोर दिया।

बोस्निया के कोच सर्गेज बरबारेज ने दबाव में अपनी टीम के लचीलेपन की सराहना की। ड्रॉ के बावजूद, यूरोपीय प्लेऑफ में इटली के खिलाफ अपनी पिछली सफलता को देखते हुए बोस्निया का प्रदर्शन उल्लेखनीय था।

आगामी मैच

दोनों टीमें आगामी मैचों के साथ अपनी विश्व कप यात्रा जारी रखेंगी। बोस्निया 18 जून को लॉस एंजिल्स में स्विट्जरलैंड और 24 जून को सिएटल में कतर से खेलेगी। कनाडा 18 जून को कतर और 24 जून को स्विट्जरलैंड से खेलेगी, दोनों मैच वैंकूवर में होंगे।

कनाडा मैचों की शुरूआत से अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का लक्ष्य बना रहा है, जैसा कि मार्स की मैच के बाद की टिप्पणियों में उजागर किया गया है। टीम को हैमस्ट्रिंग चोट के कारण प्रमुख खिलाड़ी अल्फोंसो डेविस की कमी खली, लेकिन भविष्य के खेलों के बारे में आशावादी बनी हुई है।

प्रशंसकों का समर्थन

टोरंटो स्टेडियम में मैच देखने के लिए 43,000 की भीड़ उमड़ी, जिसमें कनाडाई समर्थकों का दबदबा था, लेकिन बोस्नियाई प्रशंसकों की भी ध्यान देने योग्य उपस्थिति थी, जिससे जीवंत माहौल में और जान आ गई। खेल के दौरान कनाडा की टीम को प्रेरित करने में प्रशंसकों का समर्थन महत्वपूर्ण था।

इंडिया के विमान हादसे के एक साल बाद भी क्यों नहीं आई फाइनल जांच रिपोर्ट? एएआईबी ने बताया जांच कहां तक पहुंची

(जीएनएस)।

अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान हादसे को आज पूरा एक साल बीत चुका है। पिछले साल 12 जून को झकझोर देने वाली इस भीषण विमान दुर्घटना की जांच कर रहे 'विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो' (AAIB) ने शुक्रवार को अपनी प्रगति रिपोर्ट जारी की है।

हालांकि, हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के लिए यह रिपोर्ट थोड़ी निराशाजनक हो सकती है, क्योंकि अअक्ह ने अंतिम जांच रिपोर्ट जारी करने के लिए कोई भी निश्चित समयसीमा तय करने से इनकार कर दिया है।

सरकारी जांच एजेंसी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि दुर्घटना की जांच अभी भी जारी है। ब्यूरो इस समय हादसे से जुड़े सभी तकनीकी, संगठनात्मक और मानवीय कारकों का 'साक्ष्य-आधारित विस्तृत मूल्यांकन' करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

एजेंसी ने स्पष्ट किया कि वह 'एयरक्राफ्ट (इन्वेस्टिगेशन ऑफ एक्सीडेंट्स एंड इंसिडेंट्स) रूल्स, 2017' और अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) के 'एनेक्स

13' के मानकों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता से जांच कर रही है। हादसे के एक महीने बाद, यानी 12 जुलाई 2025 को एक प्राइमरी फैक्चुअल रिपोर्ट जारी की गई थी।

पिछले एक साल की प्रोग्रेस का ब्योरा देते हुए AAIB ने बताया-पिछले एक साल के दौरान विमान के सभी सिस्टम, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (ब्लैक बॉक्स), कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर, इंजन के पुर्जों, मेंटेनेंस (रखरखाव) रिकॉर्ड और ऑपरेशनल दस्तावेजों का बेहद बारीकी से विश्लेषण किया गया है।

इस जांच में केवल भारतीय एजेंसियां ही नहीं, बल्कि मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि, तकनीकी सलाहकार और संबंधित संगठनों के विषय विशेषज्ञ भी लगातार सहयोग कर रहे हैं। जुटाए गए सभी सबूतों का एक साथ मिलान करके अध्ययन किया जा रहा है और जहां भी जरूरत महसूस हो रही है, वहां आगे की स्पेशलिस्ट एग्जामिनेशन कराई जा रही है।

ब्यूरो ने साफ तौर पर कहा कि जांच पूरी तरह से स्वतंत्र, निष्पक्षता पर आधारित है। ICAO की तय प्रक्रियाओं के तहत सभी आवश्यक अंतरराष्ट्रीय समीक्षाएं और जांच प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही अंतिम रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। तब तक किसी भी तरह की समयसीमा बताना संभव नहीं है।

AAIB ने अपने बयान में एक महत्वपूर्ण बात दोहराई कि इस जांच का प्राथमिक उद्देश्य एविएशन सेफ्टी में सुधार करना और भविष्य के लिए सबक सीखना है। इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति या संस्था पर दोष मढ़ना या कानूनी लायबिलिटी तय करना नहीं है।

ब्यूरो ने मीडिया और आम जनता से भी अपील की है कि जब तक अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आ जाते, तब तक इस संवेदनशील मामले पर मनगढ़ंत कयासों या समय से पहले किसी नतीजे पर पहुंचने से बचें।

क्या हुआ था 12 जून 2025 को?

ठीक एक साल पहले, 12 जून 2025 को एयर इंडिया की उड़ान संख्या AI-171 (बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान, रजिस्ट्रेशन नंबरः VT-ANB) ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन गेटविक के लिए उड़ान भरी थी। लेकिन उड़ान भरने के महज 30 सेकंड बाद ही यह विमान अनियंत्रित हो गया और एक बड़े हादसे का शिकार हो गया।

दो में से एक को मिल रह रोटी, भुखमरी से जूझ रहा पाक का ये राज्य, भेदभाव कर रहे शहबाज?

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के आर्थिक सर्वे 2025-26 ने बलूचिस्तान की जमीनी सच्चाई को एक बार फिर सामने ला दिया है। सर्वे के मुताबिक, बलूचिस्तान की लगभग आधी आबादी आज भी भीषण गरीबी में जीवन जीने को मजबूर है। इतनी गरीबी की दो में से सिर्फ एक को ही खाना मिल पा रहा है। इन आंकड़ों ने पाकिस्तान में संसाधनों के असमान वितरण और विकास की नीतियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के सामने आने के बाद पूरे पाकिस्तान में इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद बलूचिस्तान विकास की दौड़ में इतना पीछे क्यों है।

गरीबी में जी रहे बलूची

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और बलूचिस्तान पोस्ट के पाकिस्तान, बलूचिस्तान और पाकिस्तान के दूसरे प्रांतों के बीच विकास का अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां के लोगों को आज भी रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक भेदबाव, न के बराबर इन्फ्रास्ट्रक्चर, मिनिमम इन्वेस्टमेंट और व्यापारिक प्रतिबंधों ने क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को बेहद कमजोर बना दिया है। यही वजह है कि विकास की रफ्तार बाकी प्रांतों की तुलना में बेहद कम रही है।

आधा बलूचिस्तान सो रहा भूखा

आर्थिक सर्वे में औसत गरीबी दर 28.9 प्रतिशत है। लेकिन बलूचिस्तान में यह आंकड़ा बढ़कर 47 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसका मतलब है कि बलूचिस्तान का लगभग हर दूसरा व्यक्ति गरीबी रेखा के आसपास या उससे नीचे जीवन जी रहा है। ये आंकड़े दिखाते हैं कि बलूचिस्तान की आर्थिक स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी खराब है।

सालों के भेदभाव ने किया गरीब

आर्थिक जानकारों का मानना है कि बलूचिस्तान की मौजूदा स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे कई सालों से चले आ रहे प्रशासनिक भेदभाव और कमजोर विकास नीतियां जिम्मेदार हैं। प्रांत में बुनियादी ढांचे का विकास अपेक्षित स्तर पर नहीं हुआ। उद्योगों की संख्या बेहद कम रही और बड़े निवेश

भी नहीं आए। इसका सीधा असर रोजगार के अवसरों पर पड़ा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए नौकरियां पैदा नहीं हो सकीं।

बेरोजगारी ने युवाओं को निराश किया

बलूचिस्तान में बढ़ती बेरोजगारी अब सामाजिक संकट का रूप लेती जा रही है। हाल ही में प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध जिले डेरा बुगती में एक युवक ने बेरोजगारी से परेशान होकर आत्महत्या का प्रयास किया। वहीं बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में एक विश्वविद्यालय स्नातक ने नौकरी न मिलने के विरोध में सार्वजनिक रूप से अपनी मूल शैक्षणिक डिग्रियों को आग लगा दी। ये घटनाएं बताती हैं कि बलूचियों में पाकिस्तान को लेकर कितना गुस्सा भरा है।

पढ़ाई के बाद भी नहीं मिल रही नौकरी

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बलूचिस्तान के हजारों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उन्हें रोजगार नहीं मिल रहा। शिक्षित युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि पढ़ाई पूरी करने के बाद भी उनके लिए पर्याप्त रोजगार उपलब्ध नहीं हैं। इससे मानसिक तनाव, निराशा और भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना लगातार बढ़ रही है।

ईरान-अफगानिस्तान से व्यापार बंद, परिवारों पर असर

बलूचिस्तान की अर्थव्यवस्था लंबे समय से ईरान और अफगानिस्तान के साथ होने वाले सीमा पार व्यापार पर भी निर्भर रही है। लेकिन हाल के सालों में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण यह व्यापार काफी प्रभावित हुआ है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों की आय पर सीधा असर पड़ा है। कई परिवारों की रोजी-रोटी का प्रमुख साधन खत्म हो गया है।

नहीं मिल रहा पीने को साफ पानी

बलूचिस्तान के कई दूरदराज क्षेत्रों में आज भी लोगों को साफ पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। कई गांवों और कस्बों में लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पानी, बिजली और सड़क जैसी सुविधाएं अभी भी कई इलाकों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाई हैं। अधिकांश जिलों में अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति खराब बताई जाती है। कई बार मरीजों को सामान्य इलाज के लिए भी सैकड़ों किलोमीटर दूर बड़े शहरों तक जाना पड़ता है। इससे गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।

शिक्षा भी हुई चौपट

स्वास्थ्य सेवाओं की तरह शिक्षा क्षेत्र भी कई समस्याओं से घिरा हुआ है। कई सरकारी स्कूलों की इमारतें जर्जर हालत में हैं। शिक्षण सामग्री और संसाधनों की कमी के कारण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही। इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और बच्चों के भविष्य पर भी असर पड़ रहा है। पूरे पाकिस्तान की तरह बलूचिस्तान भी महंगाई की मार झेल रहा है। खाना और जरूरी सामानों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कई गरीब परिवार अब खर्च कम करने के लिए भोजन की मात्रा तक घटाने को मजबूर हैं। बढ़ती महंगाई ने सामाजिक और आर्थिक दबाव को और बढ़ा दिया है।

भरपूर संसाधन, फिर भी गरीब क्यों?

बलूचिस्तान प्राकृतिक गैस, खनिज और दूसरे प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर माना जाता है। किन स्थानीय लोगों का कहना है कि इन संसाधनों का लाभ उन्हें नहीं मिला। वर्षों से संसाधनों का दोहन तो हुआ, लेकिन उससे पैदा होने वाली संपत्ति का असर स्थानीय जीवन स्तर पर नहीं दिखाई दिया। नीय नागरिक संगठन और सामाजिक समूह लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि विकास परियोजनाओं और प्राकृतिक संसाधनों से होने वाली आय में बलूचिस्तान को उसका उचित हिस्सा दिया जाए। लेकिन पाकिस्तान सरकार ऐसा जानबूझकर नहीं करती ताकि बलूचियों को दबाए रखा जा सके।

लखनऊ की भीषण गर्मी में महज 28 मिनट टिके कॉकरोच पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके! छात्रों में नाराजगी

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हजारों की संख्या में छात्रों ने नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के मसले पर प्रदर्शन किया। पहले खबर आई थी कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लखनऊ में अनुमति नहीं मिली। हालांकि, कॉकरोच पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके के लखनऊ पहुंचने के बाद पुलिस के प्रदर्शन में भाग लेन की अनुमति की खबर सामने आई। अभिजीत दीपके लखनऊ के ईको गार्डन में आयोजित प्रदर्शन में भाग लेने पहुंचे, लेकिन लखनऊ में शुक्रवार को भीषण गर्मी का असर दिखा। प्रदर्शनकारी छात्र पेड़ों की छांव तलाशते दिखे। वहीं, अभिजीत दीपके भी कार्यक्रम स्थल पर महज 28 मिनट ही टिक पाए। इसके बाद इनोवा गाड़ी पर सवार होकर चलते बने। इस दौरान छात्रों ने कॉकरोच पार्टी प्रमुख के रवैये को नाराजगी जताई।

छात्रों ने लगाया आरोप

छात्र ग्रुप ने कॉकरोच जनता पार्टी पर छात्रों के आंदोलन का क्रेडिट चुराने का आरोप लगाया है। छात्रों का कहना है कि हमलोगों ने प्रयागराज में आंदोलन का ऐलान किया था। प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के मुद्दे पर लगातार छात्र राजनीति गरमाई रही है। 29 मई के आंदोलन के दौरान 12 जून को लखनऊ में प्रदर्शन का निर्णय लिया गया। छात्र गुट का कहना है कि यह शिक्षकों और छात्रों का प्रोटेस्ट है। हम अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इससे कॉकरोच पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है।

अभिजीत के 28 मिनट रुकने का दावा

छात्र संगठनों ने दावा किया कि आंदोलन में भाग लेने आए कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके महज 28 मिनट ही आंदोलन स्थल पर टिक पाए। कार्यक्रम में पहुंचे अभिजीत ने कहा कि छात्रों का जहां भी प्रोटेस्ट होगा, उसमें भाग लेने जाएंगे। उन्होंने नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। साथ ही, छात्र और युवाओं के मुद्दे पर साथ खड़े होने की बात कही।

प्रशासन की ओर से छात्रों के छह घंटे के प्रदर्शन को अनुमति मिली थी।

दावा किया जा रहा है कि अभिजीत दीपके आंदोलन में महज 28 मिनट ही टिके। इसके बाद एयरकंडीशंड इनोवा कार में सवार होकर चलते बने। इससे संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसके बाद पुलिस-प्रशासन की ओर से ईको गार्डन को खाली करा दिया गया।

गीतापल्ली में उपमुख्यमंत्री ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

(जीएनएस)।

लखनऊ। केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को भाजपा महानगर की ओर से गीतापल्ली कॉलोनी में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया। इसमें उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक प्रमुख रूप से शामिल हुए और उन्होंने प्रबुद्ध जनों से संवाद भी किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण और युवाओं के लिए रोजगार पर जोर दिया। कहा कि किसानों के हितों की रक्षा और देश की सुरक्षा भी मजबूत हुई है। महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियों को बता रहे हैं। वे नागरिकों से सुझाव भी प्राप्त कर रहे हैं।

दोगुना भाड़े और कम पैदावार से घट रहा आम का निर्यात

(जीएनएस)।

लखनऊ। पिछले पांच वर्षों में लखनऊ और उसके आसपास के क्षेत्र में आम की बागवानी करने वाले आम के घटते निर्यात से परेशान हैं। इसके पीछे घटती पैदावार और भाड़े का दोगुना से ज्यादा बढ़ जाना बड़ी वजह है।

आम बागवान और निर्यातक बताते हैं कि 2017 में योगी सरकार बनी तो किसानों को आम के निर्यात पर प्रति किलो 6 रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलती थी। 2019 के बाद से यह प्रोत्साहन राशि बंद कर दी गई है। उधर, पिछले साल दुबई का जो किराया 75 रुपये किलो होता था वह अब 160-180 रुपये प्रति किलो हो गया है। वहीं, यूरोप का किराया 200 रुपये से बढ़कर450 रुपये किलो तक हो गया है।

अवध आम उत्पादक एवं बागवानी समिति के अध्यक्ष डॉ रघुवीर सिंह और महासचिव उपेंद्र कुमार सिंह बताते हैं कि पिछले साल करीब 2 लाख मीट्रिक टन आम की पैदावार हुई था। इस बार 40-50 फीसदी फसल कम है। लखनऊ और उसके आस पास के जिलों में आम की बागवानी से करीब 500 करोड़ का कारोबार है। इस बार कारोबारियों व निर्यातकों को 200 करोड़ के सीधे सीधे नुकसान की आशंका है

आयातक देशों में तनाव का असर

आम के बड़े आयातक खाड़ी देशों में भी तनाव जारी है। यूरोपीय देशों में कड़े नियमों की वजह से आम के निर्यात पर संकट है। उद्यमी व बागवान संजय कुमार बताते हैं कि यूरोप, अमेरिका, जापान, न्यूजीलैंड, तुर्की व ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर में निर्यात की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।

पिछले सालों में आम के निर्यात की स्थिति

वर्ष- निर्यात

(2020-21)- 120.50 मीट्रिक टन

(2021-22)- 33.3 मीट्रिक टन

(2022-23)- 21.07 मीट्रिक टन

(2023-24)- 20.65 मीट्रिक टन

(2024-25)- 3.975 मीट्रिक टन

लोहिया से निकलेंगे 340 नए डॉक्टर और विशेषज्ञ

(जीएनएस)।

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का तीसरा दीक्षांत समारोह 15 जून को आयोजित होगा। समारोह में 340 सफल अभ्यर्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। साथ ही विभिन्न पाठ्यक्रमों के 26 मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया जाएगा। शुक्रवार को संस्थान ने मेधावियों की सूची जारी कर दी।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाले समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मेधावियों को मेडल और डिग्री प्रदान करेंगी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह अतिविशिष्ट अतिथि होंगे। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष और मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में हाइफा स्थित यूनेस्को चेयर इन बायो-एथिक्स के भारतीय कार्यक्रम के राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रमुख शिक्षाविद डॉ. वेद प्रकाश मिश्र शामिल होंगे।

संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि एमबीबीएस, पीजी और सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों के मेधावियों को 12-12 पदक प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा बीएससी नर्सिंग और एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन के एक-एक मेधावी को भी सम्मानित किया जाएगा। समारोह में चांसलर मेडल और डायरेक्टर मेडल भी प्रदान किए जाएंगे।

एमबीबीएस के मेधावी

आकांक्षा जैन, हरमन सिंह, वैष्णवी श्रीवास्तव, अवंतिका ठाकुर, दीपक कुमार, सृष्टि गोयल, दीक्षा सलूजा, आधृति शुक्ला, सिद्धांत गर्ग, शिवांस श्रीनेत, काजल, हरमन सिंह और आकांक्षा जैन को सम्मानित किया जाएगा।

एमडी के मेधावी

डॉ. दीपिका रमोला (रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. अनू (माइक्रोबायोलॉजी), डॉ. विक्रम प्रताप सिंह (माइक्रोबायोलॉजी), डॉ. शुभी शुक्ला (एनेस्थीसिया), डॉ. सौरभ यादव (जनरल मेडिसिन), डॉ. अक्षय कुमार (ऑर्थोपेडिक्स), डॉ. दीक्षा धींगरा (पीडियाट्रिक), डॉ. अनुक्रीति सौभाग्या (पैथोलॉजी) और डॉ. हसीब बेग (एनॉटमी) को सम्मानित किया जाएगा।

- डीएम-एमसीएच वर्ग में शिखर गर्ग (डीएम कार्डियोलॉजी), डॉ. अभिषेक मिश्र (एमसीएच यूरोलॉजी) और डॉ. विनय सागर (डीएम नेफ्रोलॉजी) सम्मानित होंगे। एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन के अरविंद एन को गोल्ड मेडल से नवाजा जाएगा, जबकि बीएससी नर्सिंग की शिखा वर्मा को यूनिवर्सिटी मेडल प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजी फर्जी शिकायत, आगरा में एक ही परिवार के तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज

(जीएनएस)।

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फर्जी नाम से शिकायत करने पर लोहामंडी थाने में एक ही परिवार के तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित की शिकायत करने के लिए उसके ही ग्राहकों के नाम का उपयोग करने का आरोप है। पीड़ित द्वारा कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

आरोपितों की लिखावट के नमूने लेकर फोरेंसिक लैब जांच के लिए भेजे जाएंगे। लोहामंडी की जयपुर हाउस कालोनी निवासी पंडित नवीन शर्मा ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था।

नवीन शर्मा के मुताबिक उनकी शास्त्रीपुरम स्थित मनीषा विहार में उनकी सोसाइटी में नवीन कुमार विद्यार्थी की पुत्रवधू अप्रा शर्मा ने एक भूखंड खरीदा था।

भूखंड खरीदने के बाद से ही नवीन कुमार उनके पुत्र प्रफुल्ल कुमार विद्यार्थी शिकायत करने लगे। आरोप है कि इस वर्ष 26 जनवरी को नवीन शर्मा के विरुद्ध मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायती पत्र भेजा गया। शिकायतकर्ता के रुप में रामवीर, दुष्यंत दीक्षित एवं ब्रजेश कुमार के नाम थे। जानकारी करने पर तीनों ने बताया कि उन्होंने कोई शिकायत नहीं की है।

तीनों के फर्जी हस्ताक्षर बनाने के साथ ही लिखावट भी बदली गई थी। इससे पूर्व 25 जनवरी 2025 को भी कालोनी के सुनील पाराशर के नाम से एक शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय में की गई। जिसमें सुनील कुमार का मोबाइल नंबर दिया गया था। नवीन शर्मा ने सुनील पाराशर से संपर्क करके शिकायत करने का कारण पूछा। सुनील पाराशर ने उन्हें लिखित में दिया कि यह शिकायत उनके द्वारा नहीं की गई है।

उनके पड़ोसी नवीन कुमार विद्यार्थी ने यह शिकायती पत्र भेजा है। वह पड़ोसी होने के चलते नवीन की हस्तलिपि को अच्छी तरह पहचानते हैं। जिसके बाद पीड़ित नवीन शर्मा ने 15 अप्रैल को पुलिस आयुक्त और एसीपी लोहामंडी कार्यालय में आरोपितों पर कार्रवाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया था।

कार्रवाई नहीं होने पर कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। एसीपी लोहामंडी गौरव सिंह ने बताया कि बुधवार को लोहामंडी थाने में नवीन कुमार विद्यार्थी उसके पुत्र प्रफुल्ल व पुत्रवधू अप्रा शर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। साक्ष्य संकलन कर कार्रवाई की जाएगी।

सर्पदंश से बालिका की मौत

रामपुर मथुरा। तुलसीपुर बंजर गांव निवासी कल्पना देवी (5) को शुक्रवार दोपहर सांप ने डंस लिया। परिजन निजी अस्पताल में भर्ती कराने ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही बालिका ने दम तोड़ दिया। परिजनों के अनुसार सांप बेहद जहरीला था।

बहाल नहीं हो पाई 350 गांवों की बिजली आपूर्ति

(जीएनएस)।

'सीतापुर, जिले में दो दिन पहले आई आंधी व बारिश से करीब 700 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। बिजली विभाग की टीमें मरम्मत करने में जुटी हुई हैं। शुक्रवार देर शाम तक लगभग 350 गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए मरम्मत होती रही। इन गांवों में कहीं पर जंपर उड़ गया है तो कहीं पर तार टूटने व ट्रांसफार्मर में खराबी की समस्या बनी हुई है। वजह से समय और अधिक लग रहा है। ये गांव रेउसा, महमूदाबाद, तंबौर, पिसावां, सिधौली, लहरपुर, बेहटा व हरगांव आदि इलाकों के हैं। उपभोक्ता रोहित ने बताया कि दो दिन से बिजली न आने से काफी दिक्कत हो रही है। इससे चोरी होने की आशंका बनी रहती है। हम लोग रात भर जग रहे हैं।

हर्ष ने बताया कि गर्मी से निजात नहीं मिल पा रही है। कूलर, पंखा व एसी ठप पड़े हैं। किसान रामकेशन ने बताया कि गन्ने की फसल को पानी की जरूरत है। इस समय बारिश भी इतनी अधिक नहीं हो रही है कि सिंचाई न करनी पड़ी। इससे फसलों की सिंचाई प्रभावित हैं।

मुकेश ने बताया कि आटा चक्की चलाते हैं। दो दिन से बिजली नहीं है तो आर्डर समय से नहीं दे पा रहे हैं। डीजल से पंपिंग सेट चलाना बहुत ही मंहगा साबित हो रहा है।

एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 से संबंधित दुर्घटना की जांच की प्रगति पर एएआईबी का अंतरिम वक्तव्य

(जीएनएस)।

आज से एक वर्ष पहले, एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171, जो अहमदाबाद से लंदन जा रही थी, सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद 12 जून 2025 को दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस दुखद दुर्घटना की बरसी पर, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिवारों और परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है। हम इस दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगों के असहनीय दर्द और पीड़ा को भी समझते हैं।

एएआईबी संशोधित विमान (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियम, 2017 और आईसीएओ अनुलग्नक 13 में निहित मानकों और अनुशंसित प्रथाओं के अनुसार जांच कर रहा है। तथ्यात्मक जानकारी वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट 12 जुलाई 2025 को जारी की गई थी।

पिछले एक वर्ष में, जांच दल ने दुर्घटना से संबंधित सभी प्रासंगिक तकनीकी, परिचालन, संगठनात्मक और मानवीय कारकों की व्यापक और गहन जांच की है। इस प्रयास में संबंधित संगठनों के मान्यता प्राप्त प्रतिनिधियों, तकनीकी सलाहकारों और विषय विशेषज्ञों का सहयोग प्राप्त हुआ है। विमान प्रणालियों, उड़ान रिकॉर्डर डेटा, इंजन से संबंधित घटकों, रखरखाव और परिचालन अभिलेखों तथा जांच से संबंधित अन्य साक्ष्यों की जांच और विश्लेषण में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

एकत्रित साक्ष्यों और विभिन्न जांचों के परिणामों का वर्तमान में व्यापक और एकीकृत तरीके से विश्लेषण किया जा रहा है। जहां भी आवश्यक समझा जाएगा, अतिरिक्त तकनीकी मूल्यांकन और विशेषज्ञ जांच जारी रहेंगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी निष्कर्ष और परिणाम सत्यापित साक्ष्यों और ठोस वैज्ञानिक विश्लेषण द्वारा समर्थित हों।

एएआईबी एक संपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और साक्ष्य-आधारित जांच करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सभी जांच गतिविधियों और आईसीएओ अनुलग्नक 13 के तहत निर्धारित आवश्यक अंतरराष्ट्रीय समीक्षा और परामर्श प्रक्रियाओं के पूरा होने पर अंतिम रिपोर्ट जारी की जाएगी।

किसी दुर्घटना की जांच का एकमात्र उद्देश्य गलतियों से सबक लेकर और सुरक्षा संबंधी सुझाव देकर विमानन सुरक्षा को बढ़ाना है, न कि किसी पर दोषारोपण या जिम्मेदारी तय करना। इसलिए, एएआईबी मीडिया और आम जनता सहित सभी हितधारकों से आग्रह करता है कि जांच जारी रहने के दौरान अटकलों या जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से बचें।

एलडीए ने पुराने शहर में ध्वस्त किया अवैध निर्माण

लखनऊ। एलडीए के प्रवर्तन दस्ते ने शुक्रवार को विरोध के बीच पुराने शहर सराय माली खां में एक अवैध निर्माण ध्वस्त किया। एलडीए के सहायक अभियंता संजय शुक्ला ने बताया कि पुराने शहर के सराय माली खां में करीब 2,000 वर्ग फीट में बिना मानचित्र पास कराए ही व्यावसायिक निर्माण किया जा रहा था। इसको लेकर नोटिस भी जारी किया गया था, उसके बाद भी निर्माण जारी था। इस पर विहित न्यायालय से ध्वस्तीकरण का आदेश हुआ, जिसके बाद अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया गया।

नशे का इंजेक्शन लगा जेवर और नकदी लूटी

(जीएनएस)।

सीतापुर , मिश्रिख। कस्बे के चंदूपुर मोहल्ला निवासी राहुल ने शुक्रवार सुबह अज्ञात बदमाशों पर नशे का इंजेक्शन लगाकर जेवर व नकदी लूटने की सूचना दी। जांच के लिए पहुंची पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है। प्राथमिकी दर्ज करके पुलिस कई बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित राहुल के अनुसार भोर तीन बजे वह नित्यक्रिया के लिए उठे। उन्होंने घर की पहली मंजिल पर बने अपने कमरे का दरवाजा खोला। आरोप है कि तीन बदमाशों ने उन्हें पकड़ लिया और डंडे से पीट दिया। बदमाशों ने राहुल को तीन-चार इंजेक्शन लगाए।

इसके बाद बदमाशों ने जेवर के बारे में पूछा, जानकारी न देने पर उन्हें एक कमरे में ले जाकर फिर से पीट दिया। इसके बाद बदमाश बक्से में रखे जेवरात व नकदी लेकर छत के रास्ते भाग गए। पीड़ित ने बताया कि घर पर उनके पिता, माता और वह खुद कुल तीन लोग रहते हैं।

कुछ देर बाद मां को घटना के जानकारी दी, जो कि सुनने और देखने में असमर्थ हैं। पिता ससुराल गए हुए हैं। घटना के बाद स्थानीय लोग भी जुट गए। उन्होंने पीड़ित को सीएचसी में भर्ती कराया। इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह ने बताया कि राहुल की तहरीर पर चोरी की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।